सरकार की छवि निखारने बदलेंगे कैबिनेट के चेहरे

कद्दावर मंत्रियों के विभागों में हो सकता है बदलाव

सरकार के दो वर्ष पूरे होने से पहले होगा फेरबदल

कन्हैया लोधी

भोपाल, 10 अक्टूबर. राज्य सरकार की छवि निखारने के लिये अब कैबिनेट के चेहरे बदले जा सकते हैं. ऐसे कद्दावर मंत्री, जिनको मंत्रिमंडल से हटाना संभव नहीं होगा, उनके विभाग जरुर बदले जा सकते हैं.

इसे लेकर भाजपा के संगठन में चर्चा का दौर शुरू हो गया है. यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो फिर बिहार विधानसभा चुनाव निपटने के बाद प्रदेश के मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है. ये सब मौजूदा भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने से पहले ही होने की संभावना जताई जा रही है.

बताया जा रहा है कि आरएसएस ने प्रदेश सरकार के कामकाज को लेकर जो रिपोर्ट तैयार की है, वह फिलहाल मुफीद नहीं है. विशेष रूप से जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में सरकार के कुछ निर्णयों को लेकर नाराजगी फैल रही है. ये सब मालवा क्षेत्र में ज्यादा देखने मिल रहा है. इंदौर- उज्जैन ग्रीन फील्ड को भले ही सरकार बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है, लेकिन उसका भी बड़े स्तर पर विरोध शुरू हो गया है, वहीं दूसरी तरफ उज्जैन में सिंहस्थ के लिये स्थायी निर्माण करने के लिये जमीन अधिग्रहण के मामले का भी

लगातार विरोध हो रहा है. इस मामले में सरकार और संगठन में तालमेल की कमी को इस विरोध की बड़ी वजह माना जा रहा है. संगठन जमीनी हकीकत से सरकार को रूबरू नहीं करा सका, जिसके चलते सरकार की छवि पर असर पड़ रहा है. इधर छिंदवाड़ा जिले के परासिया में कफ सिरप के पीने से मासूम बच्चों की मौत के मामले ने भी राष्ट्रीय सुर्खिया बटोर ली है. विपक्ष के लिये ये सरकार को घेरने का फिलहाल सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है. शुरुआती स्तर पर प्रदेश में इस मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जिम्मेदारी से दरकिनार होने की कोशिश की और ये साबित करने की कोशिश की कि बच्चों की मौत के लिये सिरप जिम्मेदार नहीं है. इस रवैये ने विपक्ष को और हमलावर होने का मौका दे दिया. अब ये राष्ट्रीय मुद्दा बनने लगा है, जिसका असर प्रदेश सरकार की छवि पर भी पड़ रहा है. विपक्ष इस मामले में गैरजिम्मेदाराना रवैये के लिये उप मुख्यमंत्री और विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे मंत्री राजेन्द्र शुक्ल के इस्तीफे की मांग पर भी अड़ा है, लेकिन सरकार उनसे इस्तीफा लेगी, फिलहाल इसके कोई आसार नहीं है.

> तीसरे मंत्री जो कि हाल में चर्चा का विषय बने रहे, वे सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग है. पिछले दिनों राजधानी में लव जिहाद का मामला सामने आया, उसके बाद सरकार की सख्ती से परतें उखड़ती गई तो शारिक मछली सुर्खियों में आये. सरकार ने उनके अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई की. बताया जा रहा है कि शारिक मछली को राजनीतिक संरक्षण पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बेहद नाराज है.

> एक और कद्दावर मंत्री जिनके बयानों ने सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाया, उनमें जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह का नाम शामिल है. उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश का नाम रोशन करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर अशोभनीय बातें कर दी, जिस पर पहले तो होईकोर्ट और फिर बाद में सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया, भाजपा संगठन ने भी उन्हें कड़ी फटकार लगाई. उनसे जुड़ा मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है. विपक्ष ने पहले उनके इस्तीफे की मांग को लेकर सदन और सदन से बाहर जमकर हंगामा किया था.

हथियार से पत्नी और मासूम पर किया हमला, बच्ची की मौत

सतना. मध्यप्रदेश के सतना जिले में शुक्रवार की सुबह एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से अपनी पत्नी और एक वर्षीय बच्ची पर हमला कर दिया, जिसमें मासूम की मौत हो गई. मझगवां कस्बे में रहने वाले राकेश वर्मा ने अपनी 30 वर्षीय पत्नी रामरती पर हंसिया से हमला किया. घटना के समय रामरती की एक वर्षीय बच्ची उसकी गोद में थी, जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गई. घायल मां-बेटी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान मासूम बच्ची की मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है.

टीआई लाइन अटैच, 2 उपनिरीक्षक निलंबित

समुदाय विशेष के 15 लोगों पर नामजद केस दर्ज, 3 गिरफ्तार

मुलताई,10 अक्टूबर . नगर में गुरुवार की शाम शाम बाइक टकराने की बात पर समुदाय विशेष के करीब एक दर्जन से ज्यादा लोगी द्वारा संघ के जिला प्रचारक शिशु पाल यादव पर हमला कर दिया था. जिसके बाद नगर में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई थी.

रात्रि में हिन्दू संगठनों द्वारा थाने के सामने सड़क पर टायर जलाकर नारेबाजी करते हुए थाने का घेराव कर दिया था. वहीं फव्वारा चौक पर फुटफाथ पर लगी फलो की दुकानों को पलटा दिया था.जानकारी मिलने पर कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस

अधीक्षक, एएसपी कमला जोशी ने मुलताई पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया था. स्थिति को नियंत्रित करने कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुलताई नगर में धारा 163 पुरानी 144 लगा दी गई थी.वहीं हमला करने वाले 15 लोगो पर पुलिस द्वारा धारा 126 (2), 191(2), 191(3), 296, 109, 310(2), 351(3), 302बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया. जिसमे पुलिस द्वारा शाहरुख़, आबिद, शोहल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा.

> इस मामले लापवाही सामने आने पर पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन द्वारा टीआई देवकरण डहेरिया कि लाइन अटैच किया है. वहीं थाने में पदस्थ उपनिरीक्षक छत्रपाल धुर्वे एवं रघु कोकाड़े को निलंबित कर दिया है.जबकि मुलताई टीआई के स्थान पर आठनेर टीआई नरेंद्र सिंह परिहार को मुलताई टीआई बनाया गया है. वहीं हिन्दू संगठनों के आव्हान पर शुक्रवार को मुलताई बंद रहा, इस दौरान मेडिकल स्टोर को छोड़कर सभी दुकाने बंद रही.

आरक्षण पर सुनवाई में सरकार का टालमटोल

ओबीसी आरक्षण लागू करने में जान बूझकर देरी

भोपाल, 10 अक्टूबर. मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भाजपा सरकार पर ओबीसी आरक्षण लागू करने में जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाया है.

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान सरकारी वकीलों का रवैया यह स्पष्ट करता है कि भाजपा किसी भी कीमत पर ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने को तैयार नहीं है. कमलनाथ ने कहा कि उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में सिर्फ एक महीने के भीतर

आरक्षण 14% से बढ़ाकर 27% कर दिया गया था, लेकिन भाजपा सरकार पिछले छह सालों से इस आरक्षण को रोकने में लगी हुई है. उन्होंने आरोप लगाया कि जब सुप्रीम कोर्ट इस मामले की प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करना चाहता है, तब सरकारी वकील बार-बार तारीख़ मांगते हैं.

सरकार की न नीयत, न तैयारी

कमलनाथ ने कहा कि मुकदमे की तारीख़ आगे बढ़ाने की माँग से साफ है कि भाजपा सरकार ने न तो कोई तैयारी की है और न ही उसकी ऐसी कोई मंशा है कि वह ओबीसी को 27% आरक्षण दे. उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस पार्टी ने इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक में भाजपा सरकार को पूरा समर्थन दिया था, ताकि जल्द से जल्द आरक्षण लागू हो सके. कमलनाथ ने सोशल मीडिया (X) पर सरकार से सवाल करते हुए लिखा– जब कांग्रेस ने समर्थन दे दिया है, तो अब भाजपा सरकार खुद ही आरक्षण समाप्त करने की साज़िश क्यों रच रही है?

मंगुभाई पटेल दो दिवसीय प्रवास पर चित्रकूट पहुंचे

सतना, 10 अक्टूबर. मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल शुक्रवार शाम अपने दो दिवसीय प्रवास पर सतना जिले के चित्रकूट पहुंचे. राज्यपाल के चित्रकूट आरोग्य धाम आगमन पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया.

राज्यपाल पटेल रात्रि विश्राम चित्रकूट में करेंगे. प्रवास के दूसरे दिन 11 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे वे महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना में आयोजित 13वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करेंगे.

▸ राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने किया स्वागत

राज्यपाल के स्वागत अवसर पर विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार, नगर पंचायत अध्यक्ष साधना पटेल, दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन, कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर और एएसपी प्रेम लाल धुर्वे उपस्थित रहे.

किसानों की दुर्दशा पर जीतू का सरकार पर निशाना

विशेष संवाददाता

भोपाल, 10 अक्टूबर. मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी गुरुवार को सीहोर जिले के आष्टा मंडी पहुंचे, जहाँ उन्होंने सोयाबीन किसानों से मुलाकात की और उनकी समस्याएँ सुनीं.

उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसान भयंकर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं — फसलें चौपट हो चुकी हैं, बीमा कंपनियों ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है और सरकार अब तक कोई ठोस राहत देने में विफल रही है. मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए पटवारी ने कहा, मुख्यमंत्री जी और भाजपा नेताओं ने पूरे प्रदेश में 'भावांतर उत्सव' मनाया, लेकिन जब किसानों की सोयाबीन खरीदी ही नहीं हुई तो आखिर क्या जश्न मनाया जा रहा है? जब सोयाबीन 3,500 क्विंटल बिक रही है, तो 5,328 के भावांतर की बात किसानों के साथ छलावा है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14